

प्रेषक,

यू०सी०ध्यानी,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तरांचल शासन, देहरादून।

सेवा में,

महानिबन्धक,
मा० उत्तरांचल उच्च न्यायालय,
नैनीताल।

न्याय अनुभाग-1 :

विषय: भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 11(1) के अन्तर्गत उत्तरांचल राज्य में 10 विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट के पदों की निरन्तरता बढ़ाये जाने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-5086/xii-e-1-Admin.A/2005, दिनांक 17-01-06 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि महामहिम राज्यपाल तालिका-2 में उल्लिखित जनपदों के लिए 10 विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट के पदों का कार्यकाल अन्तिम बार शासनादेश संख्या-29-एक(1)/छत्तीस(1)/न्याय अनुभाग/2005, दिनांक 21-02-2005 के कम में उक्त पदों की कार्यवाधि दिनांक 01-03-06 से दिनांक 28-02-07 तक अथवा नियमित नियुक्ति जो भी पहले हो, बशर्ते कि ये पद उसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के इसके पूर्व ही समाप्त न कर दिये जायें, की स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के साथ सहर्ष प्रदान करते हैं कि इस मध्य अधीनस्थ न्यायिक सेवा एवं उच्चतर न्यायिक सेवा में रिक्त पदों को भरे जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए, अगली बार आवश्यकता पड़ने पर कार्यकाल के विस्तार के समय इस अवधि में भरे गये पदों का विवरण भी शासन को प्रस्तुत करेंगे:-

क्र.सं.	जनपद का नाम	पदों की संख्या
1.	2	3
1.	अल्मोड़ा	01
2.	देहरादून	03
3.	हरिद्वार	03
4.	पिथौरागढ़	01
5.	ठिहरी गढ़वाल	01
6.	उत्तरकाशी	01
कुल योग		10

2-इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय आगामी वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयेजनेत्तर-105-सिविल और सेशन न्यायालय-03-जिला तथा सेशन न्यायाधीश-00" के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

3-यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-74/वित्त अनुभाग-5/2006, दिनांक 10-02-06 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(यू०सी०ध्यानी)
सचिव।

संख्या-22 एक (1)/xxxvix (1)/2006 तददिनोंक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

- 1-महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तरांचल, माजरा, देहरादून।
- 2-जिला जज/जिलाधिकारी/कोषाधिकारी अल्मोड़ा, देहरादून, हरिद्वार, पिथौरागढ़, ठिहरी गढ़वाल एवं उत्तरकाशी।
- 3-कार्मिक/नियुक्ति अनुभाग/वित्त अनुभाग-5।
- 4-एन.आई.सी./गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(वीरेन्द्र पाल सिंह)
अनु सचिव।